सरकारक स्वरूप

नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माण
पुस्तिका श्रृंखला
संख्या - ९

संवैधानिक संवाद केन्द्र
CENTRE FOR CONSTITUTIONAL DIALOGUE

संवैधानिक संवाद केन्द्र

प्रकाशक

संवैधानिक संवाद केन्द्र

प्रथम संस्करण: २०६५ साल

प्रतिलिपि अधिकार © संवैधानिक संवाद केन्द्रमे सर्वाधिकार सुरक्षित अछि । सामग्रीक स्रोतक रूपमे संवैधानिक संवाद केन्द्रक नामे साभार व्यक्त क' गैरव्यावसायिक प्रयोजनक लेल ई पुस्तकक अंशसभ पुन:प्रकाशन आ/अनुवाद कएल जा सकैत अछि । पुन:प्रकाशन आ/अनुवादक एक प्रति संवैधानिक संवाद केन्द्रकेँ उपलब्ध कराओल जायत ।

साजसज्जा आ मुद्रण

प्रिन्ट प्वाइन्ट पब्लिसिङ्ग, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डू ।

विशेष जानकारी अथवा ई पुस्तकक प्राप्तिक लेल निम्नलिखित स्थानपर सम्पर्क राखब :

संवैधानिक संवाद केन्द्र

तेसर महल, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, नयाँ बानेश्वर, काठमाण्डू

टेलिफोन नं.: ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८

ई –मेल: info@ccd.org.np

वेब साइट: www.ccd.org.np

सरकारक स्वरूप

पुस्तिका शृंखला ५

सरकारक स्वरूप १
परिचय १
परिभाषासभ २
आधारभूत अवधारणा तथा सिद्धान्तसभ ३
लोकतान्त्रिक सरकारक प्रकार ४
नेपाल आ शासन प्रणाली ५
संविधानमे विचार-विमर्शक लेल सम्भावित विषयसभ ६
संवैधानिक विकल्प ७
निष्कर्ष ८

सरकारक स्वरूप

परिचय

नव संविधान नेपालमे केहन स्वरूपक सरकार अपनाओत ? एहि सम्बन्धमे बहुतो व्यक्तिसँग सबल विचार अछि मुदा, कतिपय व्यक्ति एखनो नेपाल केहन सरकारक चयन करत, ताहि बातक असमंजसमे अछि । विश्वमे करीब दू सओ प्रकारक राजनीतिक प्रणाली अस्तित्वमे अछि आ प्रत्येक प्रणालीक अपन-अपन प्रकारक विशेषता तथा गुणसभ छैक ।

प्राचीन ग्रीक दार्शनिकसभ सरकारकेँ राजतन्त्रात्मक, कुलीनतन्त्रात्मक, राज्यव्यवस्थात्मक, निरंकुश, अल्पतन्त्रात्मक तथा लोकतन्त्रात्मक आदी विभिन्न वर्गमे वर्गीकरण केने छल। एकात्मक अथवा संघात्मक, लोकतान्त्रिक अथवा तानाशाही आधारपर सेहो राज्यक वर्गीकरण एवं सरकारक स्वरूप निर्धारण कएल जा सकैत अछि। लोकतान्त्रिक प्रणालीअन्तर्गत सेहो बहुत प्रकारक स्वरूप अछि । जाहि प्रणालीमे संसदकेँ बेसी अधिकार देलगेल रहैत छैक तकरा संसदीय प्रणाली कहल जाइत अछि आ जाहि प्रणाालीमे प्रत्यक्ष निर्वाचित राष्ट्रपतिकेँ बेसी अधिकार देलगेल रहैत छैक तकरा राष्ट्रपतीय प्रणाली कहल जाइत अछि। दलीय स्थिति (दलसभक संख्या), निर्वाचन प्रणाली, प्राकृतिक स्रोतक उपलब्धता तथा नागरिक समाजक भूमिकासनक पक्षसभक आधारपर संसदीय तथा राष्ट्रपतीय प्रणालीक प्रतिफल पृथक-पृथक भ’सकैत अछि ।

सामान्यतः राष्ट्रपतीय, संसदीय अथवा मिश्रित प्रणालीमेसँ कोन प्रणाली अपनाओल गेल अछि ई बात संविधानमे स्पष्ट रूपसँ घोषणा नहि कएलगेल रहैत अछि । प्रत्येक संविधान सरकारक विभिन्न अंगसभक बीच अपने प्रकारक निश्चित सन्तुलनक ढाँचा निश्चित केने रहैत अछि आ तकराबाद मात्र उक्त संविधान कोन निश्चित स्वरूप अनुसरण केने अछि ताहि बातक वर्गीकरण राजनीतिशास्त्रीसभ करैत अछि। नव संविधानक मसौदा तैयार करबाक क्रममे एक दोसर ढाँचाक बीचमे चयन करबाक चाही से बातक कोनो अनिवार्यता नहि होइत अछि। चुनौती त’ संस्थासभक लेल उपयुक्त व्यवस्थाक पहिचान करब आ ओहि संस्थाक लेल स्पष्ट आ उपयुक्त आधिकारिक व्यवस्था करब अछि । राज्यक लेल स्थायित्व, सामाजिक सौहार्द्रता, सुशासन तथा विधिक शासनजकाँ राजनीतिक प्रतिफलसभक प्रत्याभूति करब चयन प्रक्रियाक लक्ष्य होबाक चाही ।

संकटमे पड़ल अथवा अन्तिम अवस्थामे रहल राष्ट्रसभक विकास सफलतापूर्वक करबालेल ‘सशक्त’ सरकार चाही ई अनुमान कहिओकाल कएल जाइत अछि । मुदा, केहन संवैधानिक व्यवस्थासँ ‘सशक्त’ सरकार प्राप्त होइत अछि ई बात स्पष्ट नहि अछि । एकेटा अधिकारी (उदाहरणक लेल राष्ट्रपति)मे सम्पूर्ण संवैधानिक शक्ति केन्द्रित करब कहबासँ सशक्त तथा प्रभावकारी शासन व्यवस्थाक स्थापनाकेँ प्रत्याभूति नहि होइत अछि । कार्यपालिकामे सभ शक्ति केन्द्रित कर’बला

राज्य (राष्ट्रपतीय प्रणाली) सामान्यतः निरंकुश होइत अछि, सेहो बात बुझल जाइत अछि। कतिपय राज्य द्वन्द्वोन्मुख होइत अछि आ नागरिकसभक कल्याणक लेल केन्द्रित नहि होइत अछि। दोसरदिस विभिन्न दलबीचक सशक्त राजनीतिक सर्वसम्मतिसँ अवरोधसभ समाधानक लेल सहयोगेटा उपलब्ध मात्र नहि भ' ओहिसँ सरकारकेँ प्रभावकारी तथा जबाबदेह सेहो बनाओल जाइत अछि।

परिभाषासभ

सरकारक सामान्य प्रकारसभ	
राजतन्त्र (पूर्ण/संवैधानिक) राष्ट्रप्रमुखक रूपमे रहल एक व्यक्तिकेँ सर्वोच्च शक्ति द'क' ओहि व्यक्तिकेँ राज्यक अन्य सम्पूर्ण संस्थासभ स्वतन्त्र राख'बला एक प्रकारक सरकार। बंशानुगत शासन एकर एकगोट बिशेषते अछि।	**गणराज्य** राजाद्वारा नेतृत्व नहि कएलगेल राज्य।
निरंकुश/तानाशाही/एकदलीय एक स्वनियुक्त शासकक हाथमे राजनीतिक शक्ति होब'बला सरकारकेँ निरंकुश सरकार कहल जाइत अछि। सम्पूर्ण अधिकार अपना अधीनमे राख'बला अधिनायकबादी शासक (उदाहरणक लेल परमशक्तिबादी अथवा निरंकुश) तानाशाही सरकार अछि। एकल (एकगोट) दलद्वारा सरकार गठन कर'बला शासन प्रणाली भेल राज्यकेँ एकदलीय राज्य कहल जाइत अछि। एहन व्यवस्थामे दोसर कोनो दलकेँ निर्वाचनमे भाग नहि लेब' देल जाइत अछि, संगहि कानुनी रूपसँ शक्ति प्राप्त करबासँ सेहो रोकलगेल रहैत अछि।	**लोकतन्त्र** स्वतन्त्र निर्वाचन प्रणालीअन्तर्गत प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूपसँ जनताकेँ शक्ति प्रदान कर'बला सरकारक एक प्रकार लोकतन्त्र अछि। लोकतन्त्रक लेल अंग्रेजीमे प्रयोग होब'बला शब्द 'डेमोक्रेसी' ग्रीक भाषामे 'जनताक सरकार' बोध कराब'बला 'डेमोक्र्यासिया'सँ निर्माण भेल अछि। वर्तमान परिवेशमे लोकतन्त्रमे राजनीतिक बहुलबाद, मानवअधिकार तथा विधिक शासनजकाँ गुणात्मक विशेषतासभ सेहो होबाक अपेक्षा कएल जाइत अछि।
एकात्मक राज्य राज्यकेँ एकल एकाईक रूपसँ शासन कर'बला तथा केन्द्रीय सरकारमे शक्ति केन्द्रित रह'बला राज्यकेँ एकात्मक राज्य कहल जाइत अछि। एहन राज्यमे राजनीतिक शक्ति निचुका तहसभमे, राष्ट्रिय, क्षेत्रीय अथवा स्थानीय निर्वाचित सभासभ, गभर्नरसभ तथा नगर प्रमुखसभके प्रदान कएलगेल रहैत अछि (निक्षेपित सरकार)। मुदा, एहिप्रकारसँ निक्षेपित (प्रत्यायोजित) अधिकारके फिर्ता लेबाक प्रमुख अधिकार केन्द्रीय सरकारमे अन्तर्निहित होइत अछि।	**संघीय राज्य** केन्द्रीय (संघीय) सरकारद्धारा एकीकृत आंशिक रूपसँ स्वशासित राज्यसभ अथवा क्षेत्रसभ रहल राज्य संघीय राज्य होइत अछि। संघमे संघीय एकाईसभक स्वशासन करबाक अधिकारके संविधानमे विशेष रूपसँ प्रत्याभूति (गैरेण्टी) कएलगेल रहैत अछि आ केन्द्रीय सरकार एकपक्षीय रूपसँ एकर उल्लंघन नहि क' सकैत अछि।

बहुमतक सरकार	सहमतीय सरकार
जीत'बला सभकिछु पबैत अछि ई सिद्धान्तपर आधारित निर्वाचन प्रणालीकेँ अपनाब'बला एक प्रकारक सरकारकेँ बहुमतक सरकार कहल जाइत अछि। सर्वाधिक सरल बहुमतीय प्रणाली अर्थात, 'पहिल होब'बला निर्वाचित हुअए' व्यवस्थामे निर्वाचन क्षेत्रमे विजेताक बहुमतक कोनो आवश्यकता नहि होइत अछि।	सम्भवक हदधरि व्यापक राजनीतिक दलकेँ सम्मिलित करा तथा ओकरासभक लेल ध्यान द'क' आगाँ बढ'बला निर्णय प्रक्रिया सहमतीय लोकतन्त्रक विशेषता अछि। सहमतीय लोकतन्त्रक दोसर विशेषता राजनीतिक मुद्दा निर्धारण तथा निर्णय प्रक्रिया दुनूमे बढ़ैत जन- सहभागिता अछि। ई प्रायः समानुपातिक प्रतिनिधित्वयुक्त निर्वाचन प्रणालीपर आधारित होइत अछि।

आधारभूत अवधारणा तथा सिद्धान्तसभ

सरकारक तीनगोट अंग, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका तथा न्यायपालिकाबीचक 'शक्ति पृथकीकरण'के लोकतान्त्रिक सरकारक विशेषता मानल जाइत अछि। एकरा नियन्त्रण तथा सन्तुलनक प्रणालीक रूपमे सेहो चिन्हल जाइत अछि । शक्तिक पूर्ण पृथकीकरण अथवा शक्तिपृथकीकरणक पूर्ण अभाव रहल कोनो लोकतान्त्रिक प्रणाली अस्तित्वमे नहि रहैत अछि । शक्तिपृथकीकरणक सम्बन्धमे संविधानमे मुश्किलसँ स्पष्ट रूपसँ उल्लेख कएलगेल रहैत अछि आ विभिन्न संवैधानिक अंगसभ अर्थात्, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका तथा न्यायपालिकाबीचक सम्बन्धक बिश्लेषणसँ एकरा बूझल अथवा देखल जा सकैत अछि। शक्तिपृथकीकरणक शैली आ हदक स्तर प्रत्येक राष्ट्रमे पृथक भ'सकैत अछि।

संसदीय लोकतन्त्रमे अलग रूपसँ शक्तिपृथकीकरण नहि होइत अछि । कार्यकारीक चयन विधायिकामेसँ कएल जाइत अछि । एहन प्रणलीमे सरकार तथा प्रशासन (कार्यकारी अंग) संसदद्वारा पारित कएलगेल कानुनक सीमामे रहि अथवा ओकरे आधारपर काज करबाक लेल बाध्य होइत अछि। कार्यकारी तथा विधायिकी अंग अत्यन्त निकट रूपसँ जुड़ल भेलाक पश्चातो संसदीय प्रणालीमे न्यायपालिका प्रायः स्वतन्त्र होइत अछि।

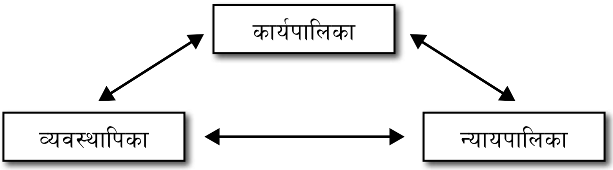

लोकतान्त्रिक सरकारक प्रकार

अपन-अपन सर्वोच्च कार्यालयमे उपयोग कएलजाएबला सापेक्षिक अधिकारसभक आधारपर सरकारक लोकतान्त्रिक स्वरूपसभक बीच भिन्नता पाओल जा सकैत अछि । सभसँ बेसी प्रचलित प्रणाली (आमप्रणालीसभ) संसदीय आ राष्ट्रपतीय प्रणाली अछि आ ई दुनू प्रणालीक बीच बहुतरास भिन्नता अछि । संघीय तथा एकात्मक राज्य दुनूमे अलग-अलग निर्वाचन प्रणालीक आधारपर राष्ट्रपतीय तथा संसदीय प्रणालीसभ अस्तित्वमे रहल देखल जाइत अछि ।

संसदीय शासन प्रणाली आजुक विश्वमे अत्यधिक प्रयोगमे रहल शासन प्रणाली अछि । ई प्रणालीमे प्रधानमन्त्री शासन प्रमुख होइत अछि आ सरकारक नीतिक सम्बन्धमे सलाह देबाक काज मन्त्रीपरिषदक अध्यक्षतामे उएह करैत अछि । प्रधानमन्त्रीक निर्वाचन संसदद्वारा प्रायः बहुमतक आधारपर कएल जाइत अछि। सरकार संसदप्रति सामूहिक रूपसँ जिम्मेबार होइत अछि आ सत्तामे (शासनमे) बनल रहबाक लेल सरकारकेँ संसदक विश्वासक निरन्तर आवश्यकता रहैत छैक । विधायिका बहुदलीय प्रणालीक आधारपर वयस्क मताधिकारद्वारा निर्वाचित होइत अछि। प्रधानमन्त्रीजकाँ मन्त्रीसभ सेहो सामान्यतः संसदक सदस्य होइत अछि। संसदीय प्रणालीमे राष्ट्राध्यक्षक भूमिका मुख्यरूपसँ आलंकारिक होइत अछि (राजा अथवा विधायिकाद्वारा निर्वाचित राष्ट्रपति) । संसदीय प्रणालीक सरकार भेल देशमे राजनीतिक शक्ति प्रधानमन्त्रीक नेतृत्वमे रहल मन्त्रीपरिषद्क हाथमे रहैत अछि ।

अत्याधिक प्रचलनमे रहल दोसर लोकतान्त्रिक शासकीय स्वरूप राष्ट्रपतीय शासन प्रणाली अछि। ई प्रणालीमे राज्य आ सरकारक अध्यक्षता कर'बला कार्यकारी राष्ट्रपति जनताद्वारा प्रत्यक्ष रूपसँ निर्वाचित होइत अछि । राष्ट्रपतिके असाधारण परिस्थितिमे विधायिका महाअभियोग प्रक्रियाक अतिरिक्त कोनो प्रकारस नहि हटा सकैत अछि। राष्ट्रपतिक संबैधानिक पदावधि सामान्यतः चारि बर्षसँ ल'क' सात बर्षधरि होइत अछि । एहन प्रणालीअन्र्तगत कतिपय देशमे राष्ट्रपति पदमे नियुक्त होबाक लेल पदावधिक संख्या निश्चित रहैत अछि। राष्ट्रपति स्वयं अपना खुशीमोताबिक अपना मन्त्रीमण्डलक किछु सदस्य ('मन्त्रीसभ' 'सचिवसभ')केँ नियुक्त (चयन) केने रहैत अछि । किछु नियुक्तिसभकेँ संसदीय सुनबाईद्वारा निश्चित कएल जाइत अछि। मन्त्रीपरिषद्क सभ सदस्य राष्ट्रपतिप्रति उत्तरदायी होइतो सामान्य रूपसँ संसदक लेल सेहो जबाबदेह होइत अछि। एकरा संसदीय निगरानीक रूपमे लेल जाइत अछि ।

किछु देश अर्ध-राष्ट्रपतीय प्रणाली अपनौने अछि । एहन प्रणालीमे राष्ट्रपतिकेँ जनता आम निर्वाचनक माध्यमसँ प्रत्यक्ष रूपमे चुनैत अछि। राष्ट्रपति संसदमे बहुमत प्राप्त दलसँ प्रधानमन्त्री नियुक्त करैत अछि । सरकारक अन्य सदस्यसभक नियुक्ति प्रधानमन्त्रीक सिफारिशपर राष्ट्रपति करैत अछि । राष्ट्रपति आ प्रधानमन्त्री दुनूगोटे देशक दैनिक राजनीतिक जीवनमे महत्त्वपूर्ण

भूमिका निर्वाह करैत अछि। ओकरासभक बीच शक्तिक बाँटफाँटक सन्दर्भमे विभिन्न देशमे पृथक-पृथक प्रकारक परम्परा देखल जाइत अछि। किछु अर्धराष्ट्रपतीय प्रणालीमे मन्त्रीपरिषद्क बैठकक अध्यक्षता राष्ट्रपति करैत अछि। मन्त्रीपरिषद्द्वारा निर्णय कएलगेल अध्यादेश अथवा सरकारी निर्णयसभ राष्ट्रपतिद्वारा कार्यान्वयन होइत अछि। संसदक संगहि राष्ट्रपतिक हाथमे सेहो कानुन निर्माणक अधिकार रहैत अछि। राष्ट्रपति संसदकेँ अथवा संवैधानिक अदालतकेँ कोनो तरहक ऐनक सम्बन्धमे पुनर्विचार करबा लेल अनुरोध क' सकैत अछि।

तहिना, दुर्लभ तथा मुस्किलसँ मात्र अपनाओलगेल अर्ध-संसदीय प्रणालीमे देशक सर्वोच्च कार्यकारी शक्ति किछु सदस्यसभक संघीय परिषदक हाथमे रहैत अछि। ई सदस्य सभमेसँ एकगोटेकेँ राष्ट्रपतिक रूपमे चयन कएलगेल रहैत अछि। मुदा, राष्ट्रपतिक रूपमे ओकरा कोनो विशेष अधिकार नहि प्राप्त रहैत छैक। संघीय परिषदक सभ पार्षदसभ एक समान होइत अछि। आमनिर्वाचनक बाद संसदक दुनू सदनक संयुक्त बैठक बैसिक' संघीय परिषदक निर्वाचन कएल जाइत अछि।

नेपाल आ शासन प्रणाली

ऐतिहासिक रूपसँ नेपालक शासनक स्वरूप मूलतः राजतन्त्रात्मक आ एकात्मक देखल जाइत अछि। बि.स. १८२५मे नेपालक एकीकरणक बाद किछु समय पहिनेधरि लगातार रूपमे नेपालमे शाहबंशीय शासन सञ्चालित छल। बि.स. १९०३ सँ २००७ धरि नेपालमे राणा परिवारक प्रधानमन्त्रीसभद्वारा शाह राजासभप्रति नाम मात्रक निष्ठा प्रदर्शन करैत सम्पूर्ण अधिकार अपन हाथमे ल'क' शासन चलाओलगेल छल। २००७ सालमे राजाक हाथमे सत्ताक शक्ति फिर्ता भेलाक बाद राजनीतिक दलक नेतासभक सहयोगसँ शासनक बागडोर राजाक हाथमे आएल। २०१५ सालमे राजाद्वारा नव संविधान लागू भेल आ पहिल प्रजातान्त्रिक निर्वाचनक आयोजना कएलगेल। निर्वाचनमे विजयी नेपाली काँग्रेसद्वारा सरकार गठन कएलगेल आ नेपाली काँग्रेस दलक नेता २०१७ सालधरि प्रधानमन्त्री रहल। २०१७ सालमे राजा संसदीय प्रजातन्त्रकेँ 'असफल' घोषणा करैत सरकारकेँ बिघटन क'देलक। ओ 'निर्दलीय' पञ्चायती व्यवस्थाकेँ सूत्रपात करैत नव संविधान जारी केलक। उक्त व्यवस्थामे राजाक भूमिका प्रमुख छल आ कार्यकारी, विधायिकी तथा न्यायिक शक्तिसभक स्रोतक रूपमे राजा स्वयं स्थपित छल।

२०४६ सालक जनआन्दोलन राजबंशकेँ संबैधानिक सुधारक माध्यमसँ बहुदलीय संसदीय शासन व्यवस्था लागू करबाक लेल बाध्य क'देलक। २०४८ साल बैशाख २९ गते नेपालमे दोसर संसदीय निर्वाचन सम्पन्न भेल। संविधानद्वारा सुरक्षित संकटकालीन अधिकारकेँ प्रयोग करैत राजा ज्ञानेन्दद्वारा २०६१ माघ १९ गते सरकारकेँ बिघटन क' सम्पूर्ण कार्यकारी अधिकार अपना

हाथमे लेबाक संगहि माओवादी आन्दोलनकेँ निस्तेज करबाक लेल 'संकटकालीन स्थिति'क घोषणा कएलगेल । २०६२ साल चैत आ २०६३ बैशाखमे भेल बृहत हड़ताल तथा सड़क प्रदर्शनसभ राजाकेँ संसद् पुनः स्थापना करबा लेल बाध्य क'देलक । सातदलीय गठबन्धन सरकारक नियन्त्रणकेँ अपना हाथमे ल' राजासँ बहुतरास अधिकार छिनि लेलक ।

२०६३ साल माघ १ गतेक बाद नेपाल अन्तरिम संविधानअन्तर्गत एक सदनात्मक ब्यवस्थापिकाद्वारा शासित अछि । प्रारम्भिक रूपसँ उक्त संविधान राजामे सुरक्षित बहुतरास अधिकार अन्तरिम प्रधानमन्त्रीकेँ देने अछि । २०६४ पुस ९ गते सत्तारुढ दलसभ राजतन्त्रकेँ उन्मूलन क' नेपालकेँ संघीय गणराज्य घोषणा कर'मे सहमति जनौलक । उक्त निर्णयकेँ नवनिर्वाचित संविधानसभा २०६५ साल बैशाख १५ गते औपचारिक रूपसँ अनुमोदन केलक । पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र २०६५ साल जेठ २९ गते दरबारकेँ परित्याग करबालेल बाध्य भेल । डा. रामबरण यादव २०६५ साल साओन ८ गते नेपालक पहिल राष्ट्रपतिक रूपमे निर्बाचित भेलाह आ ओ नव संविधान पारित नहि होबाधरि राष्ट्रप्रमुखक रूपमे स्थापित रहताह । तहिना, पुष्पकमल दाहाल 'प्रचण्ड' साओन ३१ गते संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक नेपालक पहिल प्रधानमन्त्रीक रूपमे निर्वाचित भेलाह । ओहि समयसँ ओ नेपालक गठबन्धनीय सरकारकेँ नेतृत्व क'रहल छथि ।

अन्तरिम संविधानद्वारा स्थापना भेल सरकारक स्वरूप किछु सामान्य अर्ध-राष्ट्रपतीय तत्वसहितक संसदीय प्रणाली अछि । ई स्वरूपमे कार्यकारी अंग (मन्त्रीपरिषद्) क अधिकार उल्लेख्य रूपसँ महत्त्वपूर्ण बनाओलगेल अछि । अधिकारक बाँटफाँट नियंत्रण आ सन्तुलनसम्बन्धी किछु तत्वसभ सेहो अस्तित्वमे रहल देखल जाइत अछि ।

संविधानमे विचार-विमर्शक लेल सम्भावित विषयसभ

संविधानसभामे तीब्र बहस होब'बला अत्यन्त महत्त्वपूर्ण बिषयसभमेसँ एकटा 'नव शासनप्रणालीक संगठनात्मक स्वरूप' सेहो अछि । एहि सन्दर्भमे निम्नानुसारक मुद्दासभक संग सम्बन्धित प्रमुख मुद्दासभ निश्चित करब आवश्यक अछि:

» नेपालकेँ केन्द्रीय अथवा प्रान्तीय प्रयोजनक लेल केहन सांगठनिक स्वरूप चयन कर' पड़तैक- संसदीय, राष्ट्रपतीय, मिश्रित अथवा अन्य कोनो प्रकारक ? नेपालकलेल ई प्रणाली सभमेसँ प्रत्येकक लाभ तथा हानिसभ केहन-केहन भ' सकैत अछि ?

» मिश्रित प्रणाली चयन केलापर राष्ट्रपति तथा प्रधानमन्त्रीबीचक कार्यकारी सम्बन्ध केहन हएत अथवा चयन कएलगेल सांगठनिक संरचनाअन्तर्गत ओकरासभक बीच शक्तिक बाँटफाँट कोना हएत ?

» राष्ट्रपति/प्रधानमन्त्री चयन, हुनकासभक योग्यता, पदावधि तथा उत्तरदायित्व आ बर्खास्तगीक आधारसभ कोन-कोन हएत ? मंत्रीपरिषद गठन प्रक्रिया, ओकरा समावेशी बनेबाक विधिसभ, मन्त्रालयक बाँटफाँट तथा मन्त्रालयसभ संचालनक लेल आवश्यक व्यवस्थापनसभ ।

» संविधानमे व्यवस्था कएलगेल मन्त्रीपरिषदक काज, कर्तब्य तथा अधिकार केहन-केहन हएत ?

» सरकार, व्यवस्थापिका आ न्यायपालिकाबीचक सम्बन्ध, नियन्त्रण आ सन्तुलन, अधिकारक बाँटफाँट केहन हएत ?

» सरकार तथा बिशेष संवैधानिक निकायसभक स्वतन्त्रता, स्थापना आ संरक्षण कर'बला आवश्यकताक दृष्टिकोणसँ ओकरासभक बीच केहन सम्वन्ध हएत ?

» देशक सैन्यबलक स्थापना, संगठन, परिचालन, नियन्त्रणक सम्बन्धमे राष्ट्रप्रमुख अथवा सरकार प्रमुख (पृथक-पृथक भेलापर) क भूमिका तथा उत्तरदायित्व ।

» केन्द्रीय संघीय एकाईसभ तथा स्थानीय स्वशासनबीचक पारस्परिक सम्बन्ध, नियन्त्रण तथा सन्तुलन ।

संवैधानिक विकल्प

विभिन्न बिकल्पक सम्बन्धमे अध्ययन क' नेपालक सन्दर्भमे बिकल्पसभद्वारा असर कर'बला प्रभाव तथा उपयुक्तताक सम्बन्धमे विचार कर' पड़त । उपलब्ध प्रमुख बिकल्पसभ तथा प्रत्येक प्रणालीक बिशेषतासभक उल्लेख निम्न प्रकारसँ कएलगेल अछि :

बिकल्पसभ	सबल पक्ष/लाभसभ	चुनौतीसभ
१. संसदीय सरकार	» विस्तृत रूपसँ बिभाजित समाजमे बृहत् तथा मजबूत सरकार निर्माण करबाक सम्भावना । » संसदमे विश्वास नहि प्राप्त क' सक'बला प्रधानमन्त्रीकेँ कोनो समयमे हटेबाक सम्भावना । » नव जनमतक लेल प्रधानमन्त्रीद्वारा कोनो समयमे निर्वाचनक आह्वान होबाक सम्भावना ।	» सदैव गठबन्धन टूटबाक कारणसँ सरकारक बिधटनक निरन्तर सम्भावना । » साधारण बहुमतसँ सेहो सरकार भंग हेबाक अथवा खसबाक सम्भावना । » घनिष्ट सम्वन्धक कारण संसद सरकारक लेल आलोचनात्मक नहि होबाक सम्भावना । » पदच्युत होबाक भयसँ साहसिक नीति तथा कार्यक्रम अनबामे सरकार असक्षम होबाक सम्भावना ।

२. कार्यकारी राष्ट्रपतीय सरकार	» व्यवस्थापिकाक सामान्य बहुमतद्वारा राष्ट्रपतिकेँ हटेबाक स्थिति नहि रहलासँ कार्यपालिकाक कार्यावधि सुनिश्चित । » एहिसँ कार्यक्रमसभक कार्यान्वयनक लेल स्थिर वातावरण सिर्जना भ'सकैत अछि । » प्रत्यक्ष निर्वाचनद्वारा जनता संगक सम्बन्ध अभिवृद्धि हएत ।	» नियन्त्रण तथा सन्तुलनक अभावक कारण राष्ट्रपतिकेँ निरंकुश होबाक खतरा । » सम्पूर्ण समर्थन नहिओ रहलापर राष्ट्रपतिकेँ नहि हटेबाक स्थिति । » कार्यपालिकाकेँ नियन्त्रण तथा सन्तुलनक अभाव । » छोट अल्पसंख्यक समुदायक सदस्य प्रमुख कार्यकारीक रूपमे निर्वाचित होबाक कम सम्भावना ।
३. अर्ध-राष्ट्रपतीय सरकार	» राष्ट्रपतिक निर्वाचन मतदातासभद्वारा आ मन्त्रीपरिषदक गठन व्यवस्थापिकाक विश्वासद्वारा कएल जाइत अछि । » मन्त्रीपषिदक गठन राष्ट्रपतिद्वारा भेलाक उपरान्तो मन्त्रीपरिषद व्यवस्थापिकाप्रति उत्तरदायी होइत अछि । » राष्ट्रपति तथा प्रधानमन्त्री पृथक-पृथक दलक भेलाक बादो राजनीतिक सहमति स्थापित होबाक सम्भावना ।	» प्रधानमन्त्री दोसर दलकेँ भेलापर राष्ट्रपति आ प्रधानमन्त्रीबीच सहमति हएब कठिन होइत अछि । » काम, कर्तब्य तथा अधिकारक बाँटफाँटक सन्दर्भमे बिबाद भ'सकैत अछि ।
४. अर्ध-संसदीय सरकार	» संघीय परिषदद्वारा बहुदलबादी नेतृत्व आ सामूहिक निर्णय पद्धति ग्रहण । » कार्यकारिणीक सदस्यसभ संसदमे सहभागी भ'क' अपन-अपन बिचार अभिब्यक्त क' सकैत अछि ।	» एकल नेतृत्वक अभावक कारण कमजोर कार्यकारी । » जटिल, खर्चिला, बेसी समय लेब'बला । » अविश्वासक प्रस्ताव पारित करबाक अक्षमता तथा महाअभियोगक व्यवस्था नहि भेलाक कारणसँ जबाबदेहितामे कमी ।

निष्कर्ष

उपर्युक्त चारिगोट विकल्पसभक संगहि ई नमूनासभपर आधारित विविधतासभ नेपालक लेल विचारणीय उपयुक्त लोकतान्त्रिक विकल्पसभ अछि। उपयुक्त छनौट (चयन) नेपालक राजनीतिक संस्कृति, एकर आकांक्षासभ आ एकर क्षमता एवं प्रभावकारी रूपसँ व्यवस्थित होबाक क्षमताक अनुकूल होबाक चाही। ई सभ विकल्पक तत्वसभक सम्बन्धमे बिचार क' एकरासभकेँ नेपालक नव संघात्मक नमूनामे कोना समायोजित कएल जाए, ताहि सम्बन्धमे सेहो विचार कएल जा सकैत अछि ।

पुस्तिका शृंखला सम्बन्धमे

संविधानसभाक सदस्यसभकेँ आ इच्छुक सर्वसाधारणकेँ संविधान निर्माण प्रक्रियाक सम्बन्धमे आधारभूत जानकारी उपलब्ध कराएब एहि पुस्तिका शृंखलाक उद्देश्य अछि । ई प्रकाशनसभ संवैधानिक परिणाम सम्बन्धमे कोनो तरहक पूर्वानुमान कर'बला अवधारणापत्र अथवा प्रस्ताव अथवा मनसाय नहि अछि । ई शृंखला संयुक्त राष्ट्रसंघीय विकास कार्यक्रमक (यूएनडीपी) "नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माणक लेल सहयोग" (एसपीसीबीएन) परियोजनाक समन्वयमे नेपाली आ अन्तर्राष्ट्रिय संविधानविद्सभक सामूहिक प्रयासक प्रतिफल अछि ।

ई पुस्तिकासभकेँ आओर परिस्कृत बनेबा हेतु प्रतिक्रिया आ टिप्पणीक लेल विशेष अनुरोध अछि । बेसीसँबेसी सुसूचित, प्रतिबद्ध आ रचनात्मक विचारविमर्शकेँ प्रोत्साहित करबामे ई प्रकाशनसभ सफल भेलेपर अपेक्षित उद्देश्यक प्राप्ति भ'सकैए । प्राप्त टिप्पणीसभक आधारपर ई पुस्तिकासभक नव संस्करणक संगहि अतिरिक्त संस्करणसभ तैयार कएल जा सकैत अछि ।

ई शृंखलाकेँ नेपालक किछु प्रमुख भाषामे अनुबाद करबाक क्रममे उँच गुणस्तरक संगहि एहिकेँ सम्बन्धित भाषाक बेसीसँबेसी लोक बुझि सकए ताहिलेल ठीक शब्दावलीक प्रयोगक हरसम्भव प्रयास कएल गेल अछि । शब्दावलीक उपयुक्त आ ठीक प्रयोगक सम्बन्धमे बिभिन्न भाषिक समुदायसभक बीच भविष्यमे विचारविमर्श आ बहस होबाक अपेक्षा कएल जा सकैत अछि । संवैधानिक संवाद केन्द्रक उद्देश्य ओहन बहससभकेँ कोनो प्रकारेँ ओझलमे (छाहरिमे) नहि राखि ओहि भाषासभकेँ सेहो समावेश क' एहि प्रयासमे समाबेशिता आ पहुँचकेँ अधिकतम अभिवृद्धि करब अछि ।

देशमे संविधान निर्माणसँ सम्बन्धित जुड़ल बिषयबस्तुक सम्बन्धमे संवैधानिक संवाद केन्द्रद्वारा तैयार भ'रहल शृंखलाबद्ध पाठ्यसामाग्रीसभक एकटा अंश (भाग) ई पुस्तिका अछि ।

सभासदसभक संगाहि ई विषयबस्तुमे अभिरुचि रखनिहार सर्वसाधारणसमकेँ प्रमुख संवैधानिक अवधारणा आ मुद्दासभमे (समस्यासभमे) संलग्न कराएब एहि शृंखलाबद्ध प्रकाशनक उद्देश्य अछि। शृंखलाअन्तर्गतक प्रत्येक पुस्तिका नेपालमे प्रयुक्त (बाजल जाएबला) प्रमुख भाषासभ (नेपाली, मैथिली, भोजपुरी, थारु, मगर, तामांग, नेवार आ अंग्रेजी) मे उपलब्ध अछि। ई पाठ्यसामाग्रीसभक श्रव्य (सुनएबला) संस्करणक (कैसेट, सिडी) उपलब्धिक संगाहि एहिसभकेँ अनलाइनमे सेहो राखल गेल अछि ।

पहिल चरणमे ई प्रकाशन शृंखलामे समेटलगेल विषयबस्तुसभ एहि प्रकारेँ अछि: राज्य आ धर्म, संघीय प्रणाली, संविधानमे मानव अधिकार, आदिवासी जनजातिक अधिकार, अल्पसंख्यकक अधिकार, सरकारक प्रणालीसभ, स्वतन्त्र न्यायपालिका, स्थानीय स्वशासन, विविधता आ सामाजिक समावेशीकरण आर सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया ।

संवैधानिक संवाद केन्द्र
तेसर महल, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, नयाँ बानेश्वर, काठमाण्डू
टेलिफोन नं. ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८
ई-मेल : info@ccd.org.np
वेबसाइट : www.ccd.org.np